राष्ट्रपति श्री कोविंद द्वारा वहां राष्ट्रऋषि नानाजी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इसके बाद वहां पर दीनदयाल शोध संस्थान के चल रहे कार्यों की लगाई गई प्रदर्शनी को देखने वह पहुंचे।

किए गए कार्यों को प्रदर्शित किया गया था। मिट्टी परीक्षण, बीज उपचार, नए किस्म के बीज तैयार करने की विधि तथा जैविक खाद निर्माण से संबंधित जानकारी, किसानों की आत्मनिर्भरता, फसलों की जैवविविधता, मीठा जल मोती संवर्धन, अलाभकर जोत को लाभकर जोत बनाने की समेकित खेती पद्धति, वैकल्पिक उद्यमिता और स्थानीय संसाधनों को परिष्करण से रोजगार के अवसर, संस्कारित शिक्षा, सामाजिक जीवन में परस्पर पूरकता एवं सह जीवन का भाव, आजीवन स्वास्थ्य संवर्धन एवं व्यवस्थित जीवन सुविधाओं के बारे में राष्ट्रपति को बताया गया। राष्ट्रपति श्री कोविंद वहां से सीधे रामदर्शन पहुंचे। रामदर्शन नानाजी द्वारा बनवाया गया वह स्थल है, जहां भगवान राम के आदर्श स्वरूप को प्रस्तुत किया गया है। राम के आदर्श को दर्शाने वाले चित्र यह सीख देते हैं कि समाज जीवन में व्यक्ति की समाज के प्रति क्या जिम्मेदारी होती है। श्री कोविंद वहां लगभग आधा घंटे रूके। उन्होंने हर चित्र के भाव को बहुत संजीदगी से समझा। श्री कोविंद वहां से सुरेन्द्रपाल ग्रामोदय विद्यालय परिसर गए जहां नन्ही दुनिया के बच्चों से मिले, उनसे बातचीत किए। उसके बाद गुरुकुल संकुल एवं उद्यमिता विद्यापीठ के उत्पादन सह प्रशिक्षण गतिविधियों को भी उन्होंने देखा। वहां से वह दीनदयाल परिसर में जाकर पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित किए। श्री कोविंद चित्रकूट में चल रहे स्वावलंबन के कार्य से काफी अभिभूत थे। वह हर बात को समझना चाहते थे। दीनदयाल शोध संस्थान के कार्यकर्ताओं से हर बात बेझिझक समझ रहे थे। राष्ट्रपति माननीय रामनाथ कोविंद के इस प्रवास में उप्र के राज्यपाल श्री रामनाइक, गुजरात के राज्यपाल श्री ओ.पी. कोहली, केन्द्रीय कानून मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद, मप्र के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई राजनेता पहुंचे हुए थे।